प्रार्थना की गई। लोगों ने जरूरतमंद

मोटापा कम करने को आगरा में पहली बेरियाट्रिक सर्जरी

एसएन में बीएचयू के प्रोफेसर की डेढ़ घंटे चली सर्जरी

10 साल से मधुमेह रोगी हैं, वजन 108 किलोग्राम

जागरण संवाददाता, आगरा: शुगर नियंत्रित करने और मोटापा कम करने के लिए एसएन मेडिकल कालेज में पहली बेरियाट्रिक एवं मेटाबालिक सर्जरी की गई। आगरा जिले के चिकित्सा क्षेत्र में ये पहली सर्जरी है।

एसएन मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा संजय काला ने बताया कि बीएचयू, वाराणसी के 45 वर्षीय प्रोफेसर का दवाएं और इंसुलिन लेने के बाद भी शुगर का स्तर नियंत्रित नहीं हो रहा है। वजन 108 किलोग्राम है। यहां एसएन के डाक्टर और जूनियर डाक्टरों को बेरियाट्रिक सर्जरी का प्रशिक्षण देने के लिए सर्जरी प्लान की गई। दिल्ली के डा. अतुल पीटर्स के साथ बेरियाट्रिक और मैटाबालिक (स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी विद डयूओडेनो-जेजूनल बाइपास सर्जरी) की गई। इससे एक महीने में मधुमेह की दवाएं कम हो जाएंगी, इंसुलिन बंद हो जाएगी। साथ ही, वजन भी कम हो जाएगा। तीन महीने में शुगर का स्तर एचबीएवन -सी (तीन महीने का शुगर का औसत स्तर) नियंत्रित हो जाएगा। यह शहर की पहली बेरियाट्रिक एवं मेटाबालिक सर्जरी है। टीम में सर्जरी विभाग की अध्यक्ष डा. ऋचा जैमन, डा. जूही सिंघल, डा. सुरेंद्र पाठक, डा. जेपीएस शाक्य, डा. अरुण राठौर, एनेस्थीसिया विभाग के अध्यक्ष डा. त्रिलोकचंद्र पिप्पल , डा. राजीव पुरी, डा. स्नेहिल शामिल रहीं।

एसएन में बेरियाट्रिक एवं मेटाबालिक सर्जरी के बाद अपनी टीम के साथ प्राचार्य डा. संजय काला • सौजन्य से एसएन

दूरबीन विधि से की गई सर्जरी: एसएन के लेप्रोस्कोपिक सर्जन डा. सुरेंद्र पाठक ने बताया कि यह सर्जरी दूरबीन विधि एवं एंडो स्टेप्लर की मदद से की गई। एक सेंटीमीटर से भी छोटा चीरा लगाया गया। इसमें पेट का आकार कम करने के साथ ही उसे बाइपास करते हुए आंत से जोड़ा गया। करीब डेढ़ घंटे सर्जरी चली।

नहीं जाना होगा दिल्ली, निजी अस्पताल में चार लाख आता है खर्चा: बेरियाट्रिक सर्जरी के लिए मरीज को दिल्ली जाना पड़ता है। सर्जरी का खर्चा तीन से चार लाख रुपये आता है। मगर, एसएन में यह सरकारी दर पर की जाएगी। इसके लिए संसाधन भी उपलब्ध करा दिए गए हैं।

प्रशिक्षण में रेजीडेंट डाक्टर रहे शामिल: सर्जरी एवं एनस्थीसिया विभाग के डा. अमित कुमार, डा. संदीप राय, डा. अतुल सिंह, डा. अभिषेक निगम, डा. शिवम शर्मा, डा. शुभांकर, डा. सिमरन, डा. साधना, डा. उमेश, डा. वात्स्यायन, डा. जूही शामिल रहे।

में आनलाइन संगीत कार्यक्रमों में कलाकारों को नहीं आ रहा आनंद, मंच को कर रहे याद

आज का दिन 1963 में कार्डिनल जियोवानी बटिस्ता वेटिकन सिटी के छठे पोप चुने

मोटापे से छुटकारे को मुंबई भागने की जरूरत नहीं

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

ताजनगरी के लोगों को अब मोटापे से छुटकारा पाने के लिए दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों तक भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रविवार को एसएन मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग ने शहर की पहली बेरियाट्रिक और मेटाबॉलिक सर्जरी को अंजाम दिया।

शहर के इतिहास में इस तरह की सर्जरी पहले कभी नहीं हुई। वाराणसी हिंदू विवि के 45 साल के प्रवक्ता 108 किलोग्राम वजन के हो चुके थे। वर्षों से डायबिटीज के रोगी प्रवक्ता करीब पांच तरह के ओरल एंटी-डायबिटिक ड्रग के साथ ही साथ इंसुलिन का भी प्रयोग कर रहे थे। इसके बाद भी शुगर काबू में नहीं थी। एचबीए-1सी का स्तर भी 9.8 था। प्राचार्य डॉ. संजय काला ने एसएनएमसी में ही इस ऑपरेशन को अंजाम देने का फैसला किया था। यह सर्जरी लैप्रोस्कोप और एंडो-स्टेप्लर की मदद से एक सेंटीमीटर से भी छोटे चीरे से की गई है। ऐसी सर्जरी दिल्ली के बड़े अस्पतालों में ही की जाती है। खर्चा भी लाखों का होता है। ऑपरेशन के पश्चात मरीज की स्थिति सामान्य है तथा डॉक्टरों की देखरेख में है। डॉक्टरों ने बताया कि जल्द ही मरीज की डायबिटीज की दवाओं पर निर्भरता घट जाएगी। ब्लड शुगर और वजन भी नियंत्रण में आ जाएगा।

सफलता

- एसएन मेडिकल कॉलेज में शहर के इतिहास की पहली सर्जरी हुई
- वाराणसी हिंदू विवि के प्रवक्ता को दिलाया मोटापे से छुटकारा

एसएन मेडिकल कॉलेज में मोटापे के सफल ऑपरेशन के बाद मौजूद डॉक्टरों की टीम।

जाने-माने सर्जन ने दिया अंजाम

देश के जाने-माने बेरियाट्रिक सर्जन डॉ. अतुल पीटर्स, प्राचार्य डॉ. संजय काला, सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा जैमन की टीम ने करीब डेढ़ घंटे में जटिलतम सर्जरी 'स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी विथ इयुओडेनो-जेजुनल बाइपास' को अंजाम दिया। ऐनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिलोकचंद्र पिप्पल, डॉ. राजीव पुरी, डॉ. स्नेहिल गुप्ता, सर्जरी के डॉ. अमित कुमार, डॉ. संदीप राय, डॉ. अतुल सिंह, डॉ. अभिषेक निगम, डॉ. शिवम शर्मा, डॉ. शुभांकर अवस्थी, डॉ. सिमरन, डॉ. साधना, डॉ. उमेश, डॉ. वात्स्यायन, डॉ. जूही सिंघल भी टीम में शामिल रहे।

मोटापा, मधुमेह से बचाने के लिए 108 किलो के प्रोफेसर की सर्जरी

एसएन मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर की सर्जरी करने वाली चिकित्सकों की टीम।

अमर उजाला ब्यूरो

एसएन कॉलेज में पहली बार हुआ बेरियाट्रिक एंड मेटाबॉलिक सर्जरी

तीन महीने में इंसुलिन हो जाएंगे बंद, वजन भी होगा कम

आगरा। एसएन मेडिकल कॉलेज में 108 किलो वजन के प्रोफेसर की बेरियाट्रिक एंड मेटाबॉलिक सर्जरी हुई है। सर्जरी से उनकी मधुमेह नियंत्रित होगी। वजन भी कम होगा। एसएन में यह सर्जरी पहली बार की गई। इसमें प्राचार्य भी शामिल रहे

प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि बीएचयू के 45 साल के प्रोफेसर दो दिन पहले एसएन में भर्ती हुए थे। जटिलतम सर्जरी में दो घंटे लगे। ऑपरेशन के बाद तीन महीने में इंसुलिन की जरूरत नहीं होगी। दवाओं की डोज भी कम हो जाएगी। वजन कम होने से रक्तचाप की परेशानी भी नहीं रहेगी। ऑपरेशन में डॉ. अतुल सिंह, डॉ. संदीप राय, डॉ. अभिषेक निगम, डॉ. शुभांकर अवस्थी, डॉ. सिमरन, डॉ. साधना, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. जूही, एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. त्रिलोक चंद्र, डॉ. राजीव पुरी, डॉ. स्नेहल शामिल रहे। सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. रिचा जैमन ने बताया कि मोटापा कम करने के लिए बेरियाट्रिक सर्जरी के लिए निजी अस्पतालों में काफी खर्च करना पड़ता है। लैप्रोस्कोप एवं एंडोस्टेप्लर की मदद से एक सेंटीमीटर से भी कम का चीरा लगाकर सर्जरी की जाती है।